

Serial No. 8277
बिहार BIHAR

Deed No. 93

Mithulesh Prasad Sunka
Stamp Vender

Lic. No.-70/83

बिहार सरकार
जिला निबंधन कार्यालय, हाजीपुर

पृष्ठान्त का सारांश

दिनांक 16/11/2018 को Ranjeet Kumar (Settlor) द्वारा यह दस्तावेज निबंधन हेतु उपस्थापित किया गया। इसमें रु0 5000 मुद्रांक शुल्क एवं रु0 2250 निबंधन तथा अन्य शुल्क का भुगतान किया गया। दस्तावेज ग्राह्य पाया गया। जिन लेख्यकारियों ने मेरे समक्ष इसका निष्पादन स्वीकार किया उनके तथा उनके पहचानकर्ता के नाम, फोटो, अंगुलियों के निशान एवं हस्ताक्षर पीछे अंकित हैं। इसे दस्तावेज सं0 93 के रूप में पुस्तक सं0 4 की जिल्द सं0 2 के पृष्ठ सं0 535 से 544 तक CD 1 में आज निबंधित एवं कुल 10 पृष्ठों में संघारित किया गया।

दिनांक-16/11/2018

दोकेन नं. 8333/2018

निलेश कुमार
निबंधन पदाधिकारी

ट्रस्ट डीड

इन्दु प्रकाश चैरिटेबल ट्रस्ट
का
न्यास पत्र



District Sub-Registration

Hajipur (Muzaffarpur)

16 NOV 2018

दस्तावेज

जिला निवा

(अमित कुमार)
अभिलेखायाल

सही रंजीत कुमार ट्रस्ट डीड लिखा।
सजमून पदकर लमझ लिखा।

ली० - 8.11.18

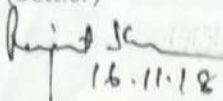
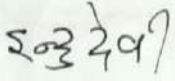
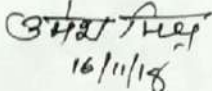
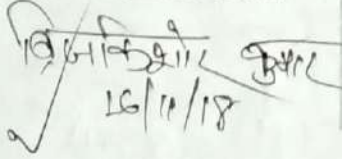
District Registry Office, Hajipur

Token Number 8333

Reg. Year 2018

Serial Number 8277

Deed Num.

PresType	Name	Photo	Thumb	Index	Middle	Ring	Little
Presented By	Ranjeet Kumar (Settlor)						
Sig.	 16.11.18						
	Ranjeet Kumar (Settlor)	Photo	Thumb	Index	Middle	Ring	Little
Sig.							
Beneficiary	Indu Prakash Chairitebal Trust	Photo	Thumb	Index	Middle	Ring	Little
Sig.							
Trustee	Indu Devi						
Sig.	 16.11.18						
Trustee	Umesh Mishra						
Sig.	 16/11/18						
Identified By	Brijkishor Kumar						
Sig.	 16/11/18						

सही दस्तावेज

SCORE Ver.4.0

Powered by IL&FS Technologies Ltd.

Biometric Captured By 1800sop009

16.11.18



यह न्यास 15.12.2012 ई0 से संचालित है जिसके न्यासी रंधीर कुमार सिंह पिता राम कृपाल सिंह ग्राम- मटिया, पोस्ट व थाना- देसरी, जिला वैशाली एवं कृष्ण मोहन पाठक, पिता -स्व. मुक्तिनाथ पाठक, ग्राम-कैलाचक, पोस्ट-खरीका, थाना-बिदुपुर जिला-वैशाली जिन्होंने ट्रस्ट से संबंधित सभी पदों एवं सदस्यता का परित्याग कर दिया है व श्री रंजीत कुमार, पिता श्री उमेश मिश्र मुहल्ला- धनौती, मड़ई पो0+थाना-हाजीपुर, जिला-वैशाली- वर्तमान अध्यक्ष, इन्दु देवी - श्री कामेश्वर झा ग्राम- गद्दोपुर, पो0+थाना- महुआ, जिला-वैशाली- वर्तमान सचिव, व उमेश मिश्र पिता श्री वेदानंद मिश्र ग्राम- गद्दोपुर, पो0+थाना-महुआ, जिला-वैशाली- वर्तमान कोषाध्यक्ष है जो पुनः आज दिनांक 01.11.2018 को ट्रस्ट के निष्पादन की घोषणा करते हैं।
मो0- 9801088295

रंजीत कुमार
पिता श्री उमेश मिश्र
महुआ
मो0-9801088295

1. ट्रस्ट (न्यास) का नाम - इंदु प्रकाश चैरिटेबल ट्रस्ट के नाम से ही जानी जाएगी।

2. ट्रस्ट न्यास का कार्यालय- ट्रस्ट का कार्यालय - मुहल्ला- धनौती मड़ई, पो0+थाना-हाजीपुर, जिला-वैशाली था जिसका वर्तमान कार्यालय, मोहल्ला स्टेशन चौक, शिवाजी द्वार के अंदर, अनवरपुर रोड, गाँधी आश्रम, हाजीपुर, थाना- हाजीपुर नगर, जिला-वैशाली, बिहार, भारत में अवस्थित होगी परंतु न्यासीगण को अधिकार होगा कि वे उक्त मुख्य ट्रस्ट कार्यालय कहीं पर भी अध्यक्ष एवं सचिव की सहमति से स्थानांतरित कर सकते हैं तथा ट्रस्ट के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए न्यासीगण (व्यवस्थापकों) को यह भी अधिकार होगा कि ट्रस्ट के मुख्य कार्यालय के अलावा उप कार्यालय



16/12/2019

रंजीत कुमार
मो0-9801088295
इंदु देवी ट्रस्ट डिस्ट्रिक्ट बिहार
महुआ
मो0-9801088295

(शाखाएँ) भी भारत वर्ष में कहीं भी खोला जा सकता है जिसका प्रस्ताव पारित करने का अधिकार अध्यक्ष एवं सचिव को संयुक्त रूप से होगा।

यह कि इंदु प्रकाश चैरिटेबल ट्रस्ट के न्यासी पूर्व में श्री रंधीर कुमार सिंह, पिता- स्व० राम कृपाल सिंह, ग्राम- मटिया, पो०+थाना-देसरी, जिला वैशाली एवं कृष्ण मोहन पाठक, पिता स्व मुक्तिनाथ पाठक ग्राम-कैलाचक, पो- खरीका, थाना बिदुपुर, जिला-वैशाली थे, परंतु श्री रंधीर कुमार सिंह एवं श्री कृष्ण मोहन पाठक ने अपने स्वेच्छा से न्यासी पद एवं सदस्यता छोड़ दिया है, इसलिए वर्तमान अध्यक्ष श्री रंजीत कुमार, पिता-श्री उमेश मिश्र, ग्राम-गद्दोपुर, पो०+थाना- महुआ, जिला-वैशाली को वर्तमान सचिव श्रीमति इंदु देवी, पिता श्री कामेश्वर झा, पता-ग्राम-गद्दोपुर, पो०+थाना-महुआ, जिला-वैशाली एवं वर्तमान कोषाध्यक्ष श्री उमेश मिश्र, पिता स्व. बेदानंद मिश्र, पता- ग्राम-गद्दोपुर, पो०+थाना-महुआ, जिला-वैशाली, श्री रंधीर कुमार व श्री कृष्ण मोहन पाठक के परित्याग को स्वीकार करते हुए यह ट्रस्ट डीड निष्पादित करते हैं वो इस ट्रस्ट के संचालन हेतु स्थायी कोष में 1,00,000/- रू० (एक लाख रूपया) सुपूर्द कर दिया।

यह कि उपरोक्त ट्रस्ट जो दिनांक 15.12.2012 ई० को निष्पादित हुआ था और जिसमें श्री रंधीर कुमार सिंह एवं श्री कृष्ण मोहन पाठक, न्यासीगण थे उस ट्रस्ट डीड का पुस्तक सं०-4, भौलुम संख्या- 11, पृष्ठ संख्या- 325 से 334 सी.डी 03 सीरियल नं०



District Sub Registrar
VAISHALI (MUZIPUR)

3

16 NOV 2019

श्री रंधीर कुमार
पिता- श्री उमेश मिश्र
ग्राम- गद्दोपुर
पो०+थाना- महुआ
जिला- वैशाली
दिनांक- 8.11.18

श्री रंधीर कुमार
पिता- श्री उमेश मिश्र
ग्राम- गद्दोपुर
पो०+थाना- महुआ
जिला- वैशाली
दिनांक- 8.11.18

ता: 8/11/18

श्री रंधीर कुमार

ता: 8.11.18

11055, दस्तावेज संख्या - 730 निबंधन कार्यालय हाजीपुर है।

3. ट्रस्ट न्यास का गठन- ट्रस्टियों के नाम , पूरा पता तथा पदनाम निम्न प्रकार है:-

संस्थापकों का विवरण:-

क्र० सं०	नाम एवं पिता/पति	पूरा पता	पद
1	श्री रंजीत कुमार सुपुत्र श्री उमेश मिश्र	मुहल्ला-धनौती मड़ई पो0+थाना-हाजीपुर जिला-वैशाली	व्यवस्थापक सह अध्यक्ष सह न्यासी
2	श्रीमति इंदु देवी सुपुत्री श्री कामेश्वर झा	ग्राम-गद्दोपुर पो0+थाना- महुआ, जिला-वैशाली	सचिव सह न्यासी
3	श्री उमेश मिश्र सुपुत्र श्री वेदानंद मिश्र	ग्राम- गद्दोपुर, पो0+थाना-महुआ, जिला-वैशाली	कोषाध्यक्ष सह न्यासी

यह कि ट्रस्ट के संस्थापकों को भविष्य में कोई भी आवश्यकता पड़ने पर इस ट्रस्ट डीड में कोई भी संशोधन करने का अधिकार प्राप्त होगा। यह कि श्री रंजीत कुमार सिंह एवं श्री कृष्ण मोहन पाठक को इस संशोधन के बाद संस्थापक अथवा ट्रस्टी के अधिकार हमेशा के लिए स्वतः ही समाप्त समझे जाएंगे।

4. यह कि ट्रस्टीगण उक्त धनराशि एवं उक्त ट्रस्ट की समस्त संपत्ति जिसे आगे ट्रस्ट फण्ड कहा गया है, जिसका तात्पर्य ट्रस्ट की सम्पत्ति, नकद राशि, निवेश, धन, दान अथवा अनुदान से प्राप्त सम्पत्ति सावधि जमा अथवा चालू राशि जो उक्त ट्रस्टीगण के समय-समय पर प्राप्त हो, को ध



District Sub-Registrar
VAISHALI (HAJIPUR)

16 NOV 2019

4

सही रंजीत कुमार

दि 8-11-18

रण करेंगे तथा उक्त ट्रस्ट की चल एवं अचल सम्पत्ति को बतौर ट्रस्टीगण आगे दी गयी शक्तियों तथा कर्तव्यों को प्रयोग व अनुपालन करते हुए धारण करेंगे।

5. यह कि ट्रस्टीगण फण्ड तथा ट्रस्ट की पूँजी तथा अन्य चल व अचल सम्पत्ति को समाज के शिक्षा संवर्धन के मुख्य कार्य तथा अन्य सामाजिक उत्थान के कार्य, औषधालय तथा शिक्षण संस्थाओं व कार्यालाओं की स्थापना एवं संचालन व व्यवस्था यात्री सेवा से सुविधा आदि का कार्य करने हेतु धारण करेंगे तथा न्यासीगण को समय-समय पर आवश्यकतानुसार न्यास के उद्देश्यों में परिवर्तन करने का पूर्ण अधिकार होगा।
6. यह कि ट्रस्ट के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए न्यासीगण को समय-समय पर भूमि का ग्रहण अधिग्रहण सरकारी गैर सरकारी संस्थाओं व्यक्तियों संस्थाओं या विभागों से करने का पूर्ण अधिकार होगा।
7. यह कि उपरोक्त उद्देश्यों में समाज के उत्थान के सभी कार्यों को पूर्ण करते हुए उसके अतिरिक्त तथा उन पर कोई प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना ट्रस्टीगण ट्रस्ट के फण्ड तथा आय को तथा उसके समस्त या किसी भाग को नीचे वर्णित उद्देश्यों में से किसी एक या अनेक या समस्त और जितनी मात्रा में चाहे सर्वांगीण रूप से प्रयोग कर सकते हैं।

8. ट्रस्ट का उद्देश्य:-

यह ट्रस्ट शैक्षणिक, सांस्कृतिक, सामाजिक एवं परमार्थिक कार्य तथा खेल कुद के विकास प्रचार-प्रसार एवं इसको क्रियान्वित करने के लिए गठित किया गया है तथा इसके निम्नलिखित उद्देश्य रहेंगे:-

District Sub Registrar

16 NOV 2018

5

रही रंजीत कुमार

दि 08-11-18



1. सभी प्रकार के शिक्षण संस्थानों जिसमें विद्यालय, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय आदि शामिल हैं, की स्थापना, व्यवस्थापन एवं संचालन करना अथवा कराना।
2. तकनीकी अथवा, गैर तकनीकी शिक्षण संस्थानों, अध्ययनशालाओं, कक्षाओं, सामान्य सदनों, औपचारिक एवं अनौपचारिक केन्द्रों, विद्यालय, महाविद्यालय, दलित आवासीय विद्यालयों, विश्वविद्यालयों की स्थापना, व्यवस्थापन एवं संचालन करना।
3. छात्र एवं छात्राओं के लिए छात्रावासों, आवासीय विद्यालय, विश्वविद्यालयों, आंगनबाड़ी, बालबाड़ी केन्द्रों, व्यस्कों के लिए रात्रि विद्यालय, महिला शिक्षा केन्द्रों, सभी के लिए पुस्तकालयों, संगीत केन्द्रों, नृत्य, संगीत, नाटक एवं वाद्य यंत्रों के प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना, व्यवस्थापन एवं संचालन करना।
4. पुस्तक, बुकलेट, पत्रिकाएँ, समाचार पत्र, जर्नल्स की छपाई कराना एवं उपरोक्त उद्देश्यों के लिए मुद्रण-शालाओं की स्थापना, व्यवस्थापन एवं संचालन करना।
5. मानवजाति के कल्याणार्थ सभी प्रकार के अस्पतालों, नर्सिंग होम, मोबाईल हेल्थ केयर सेंटर, स्वास्थ्य शिक्षा एवं प्रशिक्षण केन्द्र, जाँच - घर, लेप्रोस्कोपिक सेंटर, आई हॉस्पिटल की स्थापना, व्यवस्थापन एवं संचालन करना। आई कैम्प, वैक्सिनेशन कैम्प, पल्स पोलियो ड्रॉप वितरण केन्द्र, ब्लड डोनेशन कैम्प लगवाना एवं कैंसर, कालाजार, टीबी, एड्स पर जागरूकता हेतु शिविर का आयोजन करना एवं उसके रोकथाम हेतु प्रचार-प्रसार का कार्य करना।

6. मानव संसाधन विकास के उद्देश्य हेतु विद्यालय, महाविद्यालय



16 NOV 2018 6

सही रजिस्ट्रार
2018-11-16

चिकित्सालय, सेवा-सदन एवं जाँच केन्द्र, दन्त महाविद्यालय, अंग्रेजी, युनानी, आयुर्वेद, होमीयोपैथिक आदि सभी प्रकार के चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल पशु चिकित्सालय तथा उससे संबंधित जाँच केन्द्र, अभियंत्रण महाविद्यालय, नसिंग प्रशिक्षण विद्यालय/ महाविद्यालय एवं पारा मेडिकल संस्थान, शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, बहुशिल्प महाविद्यालय, कृषि विद्यालय/ महाविद्यालय/ विश्वविद्यालय एवं अन्य प्रकार के व्यवसायिक संस्थानों एवं व्यवसायिक प्रशिक्षण संस्थानों की स्थापना एवं संचालन करना अथवा कराना।

7. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, साहित्य, संगीत, नृत्य, नाटक एवं ललित कला की उन्नति के लिए संस्थानों की स्थापना एवं संचालन करना अथवा कराना।
8. मानव संसाधन को विकसित करने के लिए संविधान द्वारा प्रदत्त नागरिक अधिकारों के लिए जागरूक करना, धरणा-प्रदर्शन, बैठक संगोष्ठी सहित जनहित से जुड़े समस्याओं के लिए संघर्ष करना एवं समस्याओं के निराकरण के लिए विधि संगत अर्जी प्रस्तुत करना।
9. ग्रामीण विकास, शहरी विकास एवं गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम मानव संसाधन विकास, वन एवं पर्यावरण विकास, युवा मामले एवं संस्कृति सुरक्षा, महिला एवं बाल कल्याण मामले, अनुसूचित जाति एवं जनजाति अल्पसंख्यक विकास कार्यक्रम मानवाधिकार कार्यक्रम, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण इत्यादि का काम करना।
10. युवाओं में चारित्रिक एवं व्यक्तिक दृष्टि विकसित करना। यह संस्थान गैर राजनीतिक, गैर साम्प्रदायिक, गैर जातीय, गैर क्षेत्रियता मूल संगठन होगा।



District Sub Registrar
HAJIPUR (HAJIPUR)

16 NOV 2018

सती रंजित कुमारी

दि. 8.11.18

11. असहाय, निराश्रित, अपंग, बीमार, अनाथ, वृद्ध, विधवा, निर्धन, व्यक्तियों के लिए प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से ऋण अथवा आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना एवं उनके लिए भोजन, कपड़े, अनाज, रहने की व्यवस्था इत्यादि उपलब्ध करना अथवा कराना।
- 12'. समाज, राष्ट्र एवं भारतीय संस्कृति के चहुँमुखी विकास हेतु नृत्यकला, गायनकला, संगीतकला, साहित्य सृजन एवं अन्य ललित कलाओं के विकास के लिये, विकास में संलग्न संस्थाओं को, किसी भी प्रकार का सहयोग देना, दिलाना अथवा ऐसा कार्य करना।
13. प्राकृतिक आपदा जैसे आँधी-तुफान, भूकंप, ज्वालामुखी, प्लेग, महामारी इत्यादि से पीड़ित लोगों को आर्थिक या अन्य प्रकार से सहायता करना। इसी प्रकार मानव निर्मित विपत्तियों जैसे हड़ताल आदि दंगों से पीड़ित व्यक्तियों को नगद आवश्यक वस्तुओं का वितरण कार्य कर सहायता प्रदान करना अथवा कराना।
14. निर्धन, गरीब एवं अनाथ विद्यार्थियों को विद्याध्ययन हेतु आर्थिक सहयोग देना तथा मेधावी छात्रों को प्रोत्साहन हेतु छात्रवृत्ति, पुरस्कार, अनुदान, पाठ्य सामग्री, पुस्तकों, शुल्क, पठन एवं पाठन व्यय आदि में सहयोग देकर प्रोत्साहित करना तथा ऐसी संस्थाओं को आर्थिक अथवा पाठ्य सामग्री के रूप में सहायता प्रदान करना अथवा कराना।
15. समाज के गरीब, निर्धन परिवार के पुत्रियों के विवाह में आर्थिक या अन्य प्रकार से सहायता करना अथवा कराना।
16. इस ट्रस्ट के समान उद्देश्यों वाले व्यक्तियों, ट्रस्टों, संस्थानों, समितियों सामुहिक अथवा निजी निकायों आदि को आर्थिक सहायता एवं अन्य प्रकार से सहयोग प्रदान करना अथवा कराना।
17. ग्रामीण विकास कार्यक्रम, शुद्ध पेयजल आपूर्ति, ग्रामीण सड़क निर्माण, विद्यालय निर्माण, सिंचाई, कूप निर्माण, आवास निर्माण, सामुदायिक भवन निर्माण, शौचालय निर्माण, सुनिश्चित एवं क्रियान्वित करना तथा सदस्य संस्थाओं को तकनीकी ज्ञान प्रदान करना।



District Sub Registrar,

16 NOV 2013
8

रजिस्ट्रार कार्यालय

8.11.18

18. ग्रामीण युवाओं/युवतियों के समाज कल्याण एवं ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के लिए परियोजना निर्माण एवं क्रियान्वयन हेतु प्रशिक्षण प्रदान करना तथा मानव समाज को राष्ट्र के विकास की मुख्य धारा से जोड़ना।
19. महिलाओं/ युवतियों के सामाजिक, शैक्षणिक (व्यवसायिक शिक्षा सहित) आर्थिक, भौतिक, नैतिक विकास हेतु उद्योग, कृषि आधारित उद्योग, उधु उद्योग, ग्रामोद्योग में प्रशिक्षण प्रदान कर कौशल/दक्षता का विकास करना तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों/ गतिविधियों के द्वारा चारित्रिक एवं नैतिक विकास करना।
20. शिक्षा को सर्व सुलभ बनाने हेतु आवासीय शिक्षा/अनवासीय शिक्षा केन्द्र की स्थापना करना/संचालन करना तथा बच्चों के बौद्धिक, मानसिक एवं शारीरिक विकास हेतु पाठयोजना, अध्ययन केन्द्र, व्यायामशाला, पार्क, बाग आदि बनाना।
21. महिलाओं तथा युवतियों को नवीन तकनीकी के क्षेत्र में प्रशिक्षित करना ताकि उनकी भागीदारी आधुनिक उद्योगों की स्थापना के लिए सुनिश्चित किया जा सके।
22. विकलांगों तथा मन्द बुद्धि बच्चों के शैक्षणिक विकास हेतु विशेष आवासीय विद्यालय की स्थापना करना एवं भारत सरकार तथा अन्य राष्ट्रीय संगठनों/ट्रस्टों/ संस्थाओं को सहयोग प्रदान करना एवं प्राप्त करना।
23. समाज कल्याण, ग्रामीण, विकास, मानव संसाधन विकास सूचना एवं प्रौद्योगिकी विकास, पर्यावरण सुरक्षा, विज्ञान एवं शहरी विकास कार्यक्रमों में क्रियान्वयन हेतु भारत सरकार/राज्य सरकार, राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय, स्वैच्छिक संगठनों, संस्थाओं एजेंसियों, विश्व स्वास्थ्य संगठन, राष्ट्रीयकृत बैंकों से दान- अनुदान, ऋण एवं तकनीकी सहायता प्राप्त करना।
24. ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में प्रौढ़ शिक्षा, अनौपचारिक शिक्षा केन्द्र की स्थापना करना एवं उसका संचालन तथा साक्षरता दर को बढ़ाने में सरकार को सहयोग प्रदान करना।

सूची संख्या 18

8.11.18



16 NOV 2018 9

25. ग्रामीण एवं शहरी युवाओं को व्यवसायिक प्रशिक्षण प्रदान करना, स्व-रोजगार हेतु प्रोत्साहित करना तथा सरकारी सुविधा प्राप्त करने में सहायता प्रदान करना।
26. शिक्षित बेराजगारों को ग्रामीण विकास एवं प्रबंधन मानव संसाधन विकास एवं प्रबंधन में प्रशिक्षण प्रदान करना तथा उन्हें ग्रामीण विकास हेतु कार्यक्रमों के क्रियान्वयन हेतु प्रोत्साहित करना।
27. महिलाओं, बच्चों, विकलांगों, वृद्धों, युवकों, एवं युवतियों के कल्याण हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का संचालन करना तथा उनके सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को उन्नत एवं सुदृढ़ बनाना।
28. संस्थान के कार्यालय भवन का निर्माण करना, राज्य स्तर, जिला स्तर, प्रखण्ड स्तर, स्थानीय स्तर पर शाखा कार्यालय की स्थापना करना, ग्रामीण विकास सामाजिक कल्याण एवं मानव पुनर्वास कार्यक्रम का संचालन करना।
29. बाल श्रमिक एवं महिला श्रमिक के सामाजिक शैक्षणिक एवं आर्थिक विकास तथा पुनर्वास हेतु कार्यक्रमों का संचालन करना।
30. भूमि जल संरक्षण कार्यक्रम का क्रियान्वयन करना।
31. पशु स्वास्थ्य केन्द्र, परामर्श केन्द्र का संचालन करना एवं रोग मुक्त जीवन हेतु चिकित्सा सुविधा मुहैया करना।
32. पंचायतों के सशक्तिकरण हेतु कार्यक्रम सुनिश्चित करना एवं निर्वाचित जन प्रतिनिधियों को ग्रामीण विकास के क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान करना और परियोजना निर्माण में तकनीकी प्रशिक्षण उपलब्ध कराना और जन प्रतिनिधियों से ग्रामीण विकास कार्यक्रम संचालित करने हेतु निधि प्राप्त करना।
33. ट्रस्ट हेतु समय-समय पर चल एवं अचल संपत्ति को प्राप्त करना, क्रय करना, निर्माण-पुनर्निर्माण करना, जीर्णोद्धार करना, सुधार करना, विकास करना, किराये पर लेना एवं देना, विक्रय करना, ऐसी कार्यवाही जो ट्रस्ट के हित में हो तथा जिससे ट्रस्ट को आर्थिक आय हो तथा जिससे ट्रस्ट के उक्त उद्देश्यों की पूर्ति में सहयोग प्राप्त हो। अन्य वो सभी समकालिक कार्य एवं उद्देश्य जो समाज के हित में विकास हेतु आवश्यक हो न्यास उद्देश्य के रूप में शामिल एवं स्वीकार्य होगा।



16 NOV 2019 10

राज्य विकास कृपा

8.11.18

9. यह कि ट्रस्ट का कार्य व उद्देश्य समाज में शिक्षा व सामाजिक सेवा का है। व्यवसायिक व लाभ का नहीं है। इसका उद्देश्य संस्थाओं की स्थापना करना एवं उनका लाभ रहित संचालन करना यानि NOT FOR PROFIT है।
10. यह कि न्यास / ट्रस्ट का कार्यक्षेत्र समस्त भारत वर्ष होगा।
11. यह कि बोर्ड ऑफ ट्रस्टी को ट्रस्ट फण्ड की आय व उसके किसी भाग को जितने तथ जिस अवधि तक चाहे जमा रखने तथा संचय की हुई आय को कालान्तर में कभी भी या किसी भी समय ट्रस्ट के उद्देश्य के लिए व्यय करने का पूर्ण अधिकार होगा।
12. यह कि बोर्ड ऑफ ट्रस्टी ट्रस्ट, फण्ड या उसके किसी भाग अथवा भागों को किसी भी समय या अवसर पर जैसे कि ट्रस्टीगण उचित समझें, उपरोक्त उनके कार्यों में से एक या अधिक पर व्यय कर सकते हैं।
13. यह कि अध्यक्ष व सचिव का अधिकार ट्रस्ट पर तथा ट्रस्ट की सम्पत्तियों पर होगा। अध्यक्ष अथवा सचिव दोनों पदाधिकारियों से किसी एक की मृत्यु हो जाने पर जीवित बचे पदाधिकारी मरने वाले के पद पर किसी को नामांकन करेंगे। इस प्रकार जीवित पदाधिकारी एवं नए नामांकित पदाधिकारी का अधिकार ट्रस्ट पर तथा ट्रस्ट की सम्पत्तियों पर होगा। किसी अन्य व्यक्ति का ट्रस्ट पर या ट्रस्ट की सम्पत्तियों पर या ट्रस्ट की सदस्यता पर किसी भी प्रकार का अधिकार नहीं होगा।
14. यह कि व्यवस्थापकों/संस्थापक न्यासी ने ट्रस्ट को सुचारू रूप से संचालन करने हेतु अपने में से अध्यक्ष एवं सचिव नियुक्त कर लिया है तथा अध्यक्ष व सचिव ट्रस्ट को सुचारू रूप से संचालन करने के लिए उपाध्यक्ष व उपसचिव नियुक्त करेंगे। अध्यक्ष व सचिव का कार्यकाल जीवन पर्यन्त होगा। बाकी पदाधिकारियों का कार्यकाल एक वर्ष का होगा। निवर्तमान पदाधिकारियों का पुनः चयन हो सकता है अध्यक्ष व सचिव पदाधिकारी को उनके कार्यकाल से पहले भी उनके पद से हटा सकते हैं।
15. यह कि नए न्यासी को मनोनीत करने का पूर्ण अधिकार अध्यक्ष को होगा।

16. यह कि पदाधिकारियों के निम्न कर्तव्य एवं दायित्व होंगे:-

(क) अध्यक्ष- सह -न्यासकर्ता के अधिकार एवं कर्तव्य:- अध्यक्ष -सह न्यासकर्ता संस्था का मुख्य पदाधिकारी, एकता का प्रतीक होगा और ट्रस्ट की प्रतिष्ठा, सुरक्षा, पवित्रता और समग्रता का प्रहरी होगा तथा सभी प्रकार के बैठक की अध्यक्षता करेंगे और किसी प्रस्ताव पर बराबर मतदान की स्थिति में निर्णायक मत देने के अधिकारी होंगे। ट्रस्ट के किसी विषय पर विचार-विमर्श के लिए बैठक बुलाने एवं कार्यक्रम तय करने के लिए निर्देश देने का अधिकार अध्यक्ष-सह- न्यासकर्ता को होगा जिसका अनुपालन ट्रस्ट में घोषित सभी न्यासियों को मानना अनिवार्य होगा।

- 1) अध्यक्ष- सह- न्यासकर्ता ट्रस्ट के मुख्य कार्यकारी पदाधिकारी होंगे तथा ट्रस्ट के दैनिक प्रशासन से सम्बन्धित सभी लेख पत्रों पर हस्ताक्षर करने के लिए सर्वोच्च पदाधिकारी होंगे तथा सभी मामलों में एक सर्वत्र अधिकारी के अधीन रहकर ट्रस्ट का प्रतिनिधित्व करेंगे।
- 2) ट्रस्ट के किसी विषय पर विचार के लिए बैठक बुलाने के लिए निर्देश देने का अधिकार अध्यक्ष - सह- न्यासकर्ता को होगा और उसके निर्देशानुसार सचिव- सह- न्यासी को बैठक बुलाना अनिवार्य होगा। असामान्य स्थिति में ट्रस्ट को आवश्यक कार्यों को सम्पन्न करना। ट्रस्ट के नियमों के प्रतिकूल कार्यवाही को रोकना।
- 3) ट्रस्ट के सभी अभिलेखों को सुरक्षित रखना एवं हस्ताक्षर करना।
- 4) ट्रस्ट के समस्त आय-व्यय का लेखा तैयार करना तथा उनका अंकक्षण किसी मान्य सनदी लेखाकार से कराना एवं उसकी सम्पुष्टि ट्रस्ट की बैठक बुलाकर ट्रस्टियों से करना तथा वार्षिक बजट प्रस्तुत करना।
- 5) बैठक में पारित किये गये प्रस्ताव को सम्पादन/अनुपालन करना।
- 6) ट्रस्ट की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए सुझाव देना एवं बैठक बुलाकर ट्रस्टियों के समक्ष प्रस्तुत करना तथा ट्रस्ट के विकास हेतु प्रतिनिधित्व करना।

16 NOV 2012

सचिव (सह-न्यासी)
8-11-18

7) संस्था के कार्यक्रमों कार्यों में सम्पादन हेतु अधिकारियों/ कर्मचारियों की नियुक्ति करना।

(ख) सचिव-सह- न्यासी के अधिकार एवं कर्तव्य:-

1) सचिव-सह-न्यासी ट्रस्ट की सभी बैठकों का आयोजन करना तथा अध्यक्ष-सह-न्यासकर्ता के परामर्श से बैठकों के लिए एजेन्डा/ कार्यक्रम बनाना।

2) ट्रस्ट की ओर से संस्थापक- सह- न्यासकर्ता के निर्देश पर पत्राचार करना।

3) बैठक में पारित किये गये प्रस्तावों का सम्पादन/ अनुपालन करना।

4) सचिव-सह-न्यासी ट्रस्ट की ओर से संस्थापक-सह-न्यासकर्ता के निर्देशानुसार न्यास हित में न्यास डीड में दैनिक कार्य सम्पादित करना एवं कानूनी कारवाई का क्रियान्वयन करना।

(ग) कोषाध्यक्ष - अध्यक्ष के आदेश से ट्रस्ट की समस्त आय-व्यय का हिसाब एवं उनको ऑडित करना ट्रस्ट की समस्त व्यय जो कि अध्यक्ष द्वारा सत्यापित हो उसको अनुमोदित कर भुगतान करना।

17. यह कि ट्रस्ट के सभी महत्वपूर्ण कार्य जैसे न्यायालय प्रकरण प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करों से संबंधित लेन-देन, निर्माण, मान्यता, सम्बद्धता, प्रस्वीकृति आदि अध्यक्ष करेंगे। किसी महत्वपूर्ण निर्णय अथवा आपातकालीन समस्या के लिए आपातकालीन बैठक अध्यक्ष द्वारा आहूत की जायेगी एवं सर्वसम्मति से निर्णय होने के उपरान्त अध्यक्ष आदेश प्रदान करेंगे।

18. यह कि ट्रस्टीगण समय-समय पर सामाजिक धार्मिक व पारमर्थिक कार्यों के प्रबंध एवं संचालन हेतु अपने विवेक के अनुसार प्रबंध समिति जिसमें वे स्वयं या उनमें से एक या अधिक ट्रस्टी तथा अन्य व्यक्ति अथवा व्यक्तियों को नियुक्त करने का अधिकार होगा एवं ट्रस्टीगण ऐसी प्रबंध समिति तथा उसके कार्यकाल नियम आदि बनाने का तथा ऐसी प्रबंध समिति से संबंधित कार्यों उद्देश्यों के संचालन व पूर्ति के लिए जो अधिकार ट्रस्टीगण उचित समझे उसे प्रदान करने की शक्ति होगी। साधारणतः ट्रस्ट के



सचिव-सह-न्यासी
27/11/18

अध्यक्ष व सचिव ही समस्त प्रबंध समितियों के क्रमशः अध्यक्ष व सचिव होंगे।

19. यह कि ट्रस्ट की बैठक साल में कम से कम एक बार अवश्य होगी। प्रस्तावित बैठक की सूचना किसी भी ट्रस्टी को पत्रवाहक या दूरभाष या रजि० डाक द्वारा सात दिन पूर्व देना होगा। ट्रस्ट की बैठक साधारणतः ट्रस्ट कार्यालय में होगी। परन्तु ट्रस्टीगण को अन्य स्थान पर जहाँ ट्रस्टीगण उचित समझे बैठक बुलाने का भी अधिकार होगा।
20. यह कि बैठक का कोरम किसी भी समय समस्त ट्रस्टियों की संख्या का 1/3 अथवा तीन में से किन्हीं दो आजीवन ट्रस्टियों का जो भी अधिक होना अनिवार्य होगा यदि कोरम के अभाव में सभा स्थगित की जाती है तो स्थगित बैठक की तिथि, समय व स्थान की समस्त जानकारी, ट्रस्टीगणों का डाक या दूरभाष, या संदेशवाहक द्वारा सूचना प्रेषित करना आवश्यक होगा। कोई भी सभा कोरम पूरा किये बिना नहीं हो सकती, सभा (बैठक) में अध्यक्ष का होना अनिवार्य है।
21. यह कि उक्त व्यवस्थापकों को ट्रस्ट द्वारा संचालित संस्थाओं से अपने तकनीकी कौशल के अनुसार पारिश्रमिकों का लाभ प्राप्त करने के अधिकारी होंगे। उक्त व्यवस्थापकों की मृत्यु के बाद नए नामांकित व्यवस्थापक पारिश्रमिक व लाभ प्राप्त करने के अधिकार होंगे।
22. यह कि सभी संबंधित ट्रस्टी व्यक्तिगत रूप से केवल ट्रस्ट से प्राप्त की गयी राशि, सम्पति व प्रतिभूतियों के लिए उत्तरदायी होंगे तथा केवल अपने द्वारा किये गए कार्य प्राप्ति, अपेक्षा अथवा चूक के लिए व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे। परन्तु अन्य ट्रस्टीगण बैंकर दलाल, एजेन्ट, अथवा अन्य व्यक्ति जिनके हाथ में ट्रस्ट की राशि या प्रतिभूतियाँ आदि रखी गयी हैं और उनके द्वारा किये गये कार्य से किसी निवेश का मूल्य घटने अथवा ट्रस्ट को किसी भी प्रकार की हानि होने पर परन्तु व उनके द्वारा जानबूझकर की गयी चूक अथवा व्यक्तिगत कार्य के कारण ना हुआ तो ट्रस्टीगण उसके लिये व्यक्तिगत उत्तरदायी नहीं होंगे।



16 NOV 2014

रजि०
8.11.14

23. यह कि कि ट्रस्टीगण को ट्रस्ट तथा उसके उद्देश्यों से संबंधित कार्य हेतु किसी भी एजेंट जिसमें बैंक भी शामिल है को नियुक्त करने तथा उसके धनराशि अदा करने का तथा ट्रस्टीगण में निहत शक्तियों का प्रयोग करने का पूर्ण अधिकार होगा।
24. यह कि ट्रस्टीगण ट्रस्ट के नाम से और ट्रस्ट द्वारा संचालित संस्थाओं के नाम से भारत वर्ष के किसी राज्य में कहीं पर भी चालू खाता, सावधि जमा खाता, सेविंग बैंक खाता, ओवर ड्राफ्ट खाता व सभी प्रकार के बैंकिंग खाते किसी भी संस्था जो कि बैंकिंग का व्यवसाय करती हो में रख सकते हैं परन्तु सभी उक्त बैंकिंग एकाउण्ट्स खातों का संचालन अध्यक्ष के हस्ताक्षर से होगा अथवा जैसा न्यासियों के द्वारा तय किया जाएगा, मान्य होगा।
25. यह कि ट्रस्टीगण ट्रस्ट की प्राप्ति व खर्चों का व ट्रस्ट फण्ड एवं सम्पतियों का सम्पूर्ण उचित तरीके से बाजाबता हिसाब रखेंगे और प्रतिवर्ष 31 मार्च को समाप्त होने वाले लेख/आर्थिक वर्ष का वार्षिक आय व्यय को लेखा व आर्थिक चिट्ठा बनायेंगे जो कि अध्यक्ष/सचिव द्वारा हस्ताक्षरित किया जायेगा।
26. यह कि ट्रस्टीगण को उक्त ट्रस्ट के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु या आवश्यक होने पर अन्य व्यक्तियों, संस्थाओं अथवा किसी अधिकारी अथवा किसी अन्य के सहयोग से समस्त विधिवत कार्य करने का पूर्ण अधिकार होगा।
27. यह कि ट्रस्टीगण ट्रस्ट के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु कही भी चल व अचल सम्पति किसी शर्तों पर जो ट्रस्टीगण निश्चित करेंगे तथा ट्रस्ट के उद्देश्यों के विपरीत न हो को प्राप्त करने, व धारण करने चाहे पूर्ण स्वामित्व में हो या लीज पर हो या किराये पर हो या किसी अन्य तरीके से प्राप्त करने तथा विक्रय करने, किराये पर देने हस्तान्तरण करने या अन्य प्रकार से अधिकार त्यागने का पूर्ण अधिकार होगा परन्तु ट्रस्टीगण को ट्रस्ट के नाम से तथा उद्देश्यों से रिक्त होने का अधिकार नहीं होगा।

28.

यह कि ट्रस्ट फण्ड में सम्मिलित किसी राशि सम्पतियों को आस्तियों या उनके किसी



16 NOV 2019

15

भाग को एक साथ अथवा खण्डों में सार्वजनिक नीलाम अथवा प्राइवेट सॉल्विदा द्वारा सशर्त अथवा बिना शर्त विक्रय करना, क्रय करना, किसी विक्रय अथवा पुनः विक्रय की सॉल्विदा में परिवर्तन करने अथवा विखंडित करने का अधिकार होगा और ट्रस्टीगण उसमें हुई किसी हानि के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

29. यह कि अध्यक्ष एवं सचिव को ट्रस्ट के उद्देश्यों के लिए समय-समय पर भारतवर्ष में कहीं पर भी किसी भी बैंक से उधार-ऋण लेने का पूर्ण अधिकार होगा। अध्यक्ष एवं सचिव को ट्रस्ट की सम्पत्तियों की बंधक रख कर ट्रस्ट के उद्देश्यों के लिए उधार - ऋण बैंक गारंटी लेने का पूर्ण अधिकार होगा तथा कार्यों को करने का अधिकार अध्यक्ष व सचिव को होगा।

30. यह कि ट्रस्ट इनकम टैक्स एक्ट 1961 व वैल्यू एक्ट 1957 या कोई भी अन्य एक्ट के अन्तर्गत आयकर के प्रावधानों के अनुसार छूट पाने का अधिकारी होगी और उसके लिये विभाग में कार्यवाही करेगी। जैसे कि आयकर धारा 80 जी अथवा कोई अन्य समानान्तर धारा जो कि आयकर एक्ट 1961 या उसके उत्तराधिकार में मान्य होगी तथ आयकर अधिनियम के समस्त नियमों का पालन करेंगे।

31. यह कि अध्यक्ष को अन्य ट्रस्टी रखने एवं सदस्य बनाने तथा उनको हटाने का अधिकार होगा। यह कि ट्रस्ट के नाम, नियम एवं उद्देश्यों में परिवर्तन करने का अधिकार भी अध्यक्ष को होगा। नए ट्रस्टी सदस्यों को नियुक्त एवं निष्कासन के लिए अध्यक्ष की सहमती आवश्यकता होगी।

32. यह कि अध्यक्ष एवं सचिव का ट्रस्ट के उद्देश्यों के लिए ट्रस्ट की सम्पत्तियों/ परिसम्पत्तियों को किराये पर देने व सभी प्रकार के शेयरों ऋण पत्रों व अन्य प्रतिभूतियों में निवेश करने का पूर्ण अधिकार होगा।

33. यह कि एतद द्वारा संस्थापित किया गया ट्रस्ट अप्रतिसंहरणीय होगा परन्तु यदि किसी कारणवश से ट्रस्टीगण उक्त ट्रस्ट का संचालन करने में असमर्थ हो तो ट्रस्ट की सभी



स्वी-रजिस्ट्रार
8-11-18

सम्पत्तियों/परिसम्पत्तियों को निस्तारण कर ट्रस्ट की सभी देनदारियों का भुगतान करने के पश्चात ट्रस्ट का विघटन कर सकते हैं तथा इसके पश्चात् जो भी लाभ या हानि होगी व ट्रस्टीगण द्वारा वहन किया जायेगा। अतः यह विलेख न्यास पत्र लिख दिया कि प्रमाणित एवं उपयोगी हो।

34. अन्य वो सभी समकालिक कार्य एवं उद्देश्य जो समाज के हित में विकास हेतु आवश्यक हो न्यास उद्देश्य के रूप में शामिल एवं स्वीकार्य होगा।

अध्यक्ष का हस्ताक्षर

रंजीत कुमार
Ranjit Kumar
8.11.18

सचिव का हस्ताक्षर

रंजु देवी 08.11.18

गवाह का हस्ताक्षर

विजकिशोर कुमार
Vijaykishor Kumar

कोषाध्यक्ष का हस्ताक्षर

उमेश मिश्रा
Umesh Mishra
8/11/18

सुईशकुमार

प्रारूप तैयार किया एवं टंकण करवा कर सभी पक्षों को समझा दिया।

प्रिंटकर्ता

[Signature]

अधिवक्ता

[Signature]
20/8/18
8/11/18



District Sub Registrar
HAJIPUR (HAJIPUR)

16 NOV 2018
17

Rule 5 : duly Stamped (or exempted from or does not require stamp duty) under the Indian Stamp Act, 1899, Schedule I or I-A, No. '64'. Also admissible under section 26(a) of the B. T. Act.

Rs.	1000/-
Rs.	6250/-